कुरिन्थियन क दूसरी पत्र

1 परमेस्सर क इच्छा स मसीह ईसू क प्रेरित पौलुस अउर
हमरे भाई तीमुथियुस क कइँती स कुरिन्थुस परमेस्सर क
कलीसिया अउर अखाया क पूरे छेत्रन क पवित्तर लोग क
नाउँ:
2हमार परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह क कइँती
से तू सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क परमेस्सर क धन्यवाद

3हमार पर्भू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर धन्य अहइ।
उ दया क स्वामी अहइ अउर आनन्द क प्रेरणा अहइ।
4हमार हर विपत्तिन मँ उ हमका सान्ति देत ह ताकि हमहूँ
हर प्रकार क विपत्तिन मँ पड़े लोगन क वइसेनइ सान्ति दइ
सकी। जइसेन परमेस्सर हमका दिहे अहइ। **5**काहेकि जइसेन
मसीह क सबइ यातना मँ हम सहभागी अही। वइसेनही
मसीह क कारण हमार आनन्द भी तोहरे बरे उमड़त बा।
6जदि हम कष्ट उठाइत ह तउ उ तोहरे दिलासा अउर
उद्धार क बरे बा। अउर हम आनन्दित अही। तउ उ तोहरे
दिलासा क बरे बा। ई आनन्द ओनही यातना क जेनका
हमहूँ सहत अही। तू सबन क धीरज क साथ सहई बरे
प्रेरित करत ह। **7**तोहरे बिसय मँ हमका पूरी आसा बा।
काहेकि हम जानित ह कि जइसे हमरे कस्टन क तू बाँटत
ह, वइसेनइ ही हमरे आनन्द मँ तोहार भाग बा।
8भाइयो, हम चाहित ह कि तू ओन यातना क बारे मँ
जाना जउन हमका एसिया* मँ झेलइ क पड़ी रही। उहाँ
हम, हमार सहन सक्ति क सीमा स कहूँ बहुत बोझन क तरे
दबाइ गवा रहे। इहाँ तक कि हमका जिअइ क कउनउ
आसा नाहीं रही ग रही। **9**हाँ अपने अपने मने मँ हमका
अइसेन लागत रह जइसेन हमका मऊत क सजा दीन्ह गइ
रही। ताकि हम अपने ऊपर अउर जियादा भरोसा न कइके
परमेस्सर पइ भरोसा करी जउन मरे हुए क फिन से जिआई
देई। **10**हमका उ भयंकर मऊत से उहइ बचाएस अउर हमार
आजु क परिस्थितियन मँ उहइ हमका बचावत रहा। हमार
आसा उहइ पर टिकी बा। उहइ हमका आगेउ बचाइ।
11अउर तूहऊ हमरे तरफ स पराथना कइके मदद देब्या तउ
हमका बहुत जने क पराथना क कारण परमेस्सर क अनुग्रह
मिला बा, ओकरे बरे बहुत मनइयन क हमरे तरफ स
धन्यवाद देई बरे मिली जाई।

पौलुस क योजनन मँ बदलाव

12हमका ऐकर गरब बा कि हम इ बात साफ मने स
कहि सकित ह कि हम इ जगत क साथे अउर खासकर तू
लोगन क साथे परमेस्सर क अनुग्रह क एकदम्मई उहइ
रूप क व्यवहार किहे अही। हम उ सरलपन अउर सच्चाई
क साथे बहुत खातिदारी किहे रहेन। जउन परमेस्सर से
मिलत ह न कि दुनियावी बुद्धि स। **13**हाँ! इहीं बरे हम
ओका छोड़िके तू सबन क बस अउर कछू नाहीं लिखत
अही। जेसे तू मोका एकदंमई वइसेन ही समझ लेब्या।
14जइसेन तू हमका थोड़ेन मँ समझे अहा। तू हमरे बरे
वइसेन ही गरब कई सकत ह। जब हमार पर्भू ईसू फिन
आइ। **15**अउ इहीं बिसवास क कारण मइँ पहिले तोहरे पास
आवइ बरे ठाने रहेउँ। ताकि तोहका दुसरीउ बार से
आसीर्बाद क लाभ मिल सकइ। **16**मइँ सोचित ह कि
मैसीडोनिया से लऊटिउँ उ फिन तोहरे पास जाउँ। अउर
फिन तोहरे से ही यहूदिया क जाइ बदे बिदा कीन्ह जाउँ।
17मइँ जब इ जोजना बनाए रहेउँ, तउ मोका कउनो संदेह
नाहीं रहा। का तू बिना अच्छी तरह से सोच्या ह। मइँ
जउन जोजना बनाइत ह, ओक ओ संसारी ढंग से बनाइत ह
कि एक्कइ समइ "हाँ, हाँ" कहत रही अउर "न, न" कहत
रही।
18यदि तू परमेस्सर मँ बिसवास कइ सकत ह तउ तू
बिसवास कइ सकत ह कि अउर उ एँनके सास्छी देई कि
तोहरे बरे हमार जउन बचन बा एक साथे "हाँ" अउर "ना"
नाहीं कहत। **19**काहेकि तोहरे बीचवा मँ जउन परमेस्सर क
पूत ईसू मसीह क हम यानि सिलवानुस, तीमुथियुस अउर
मइँ प्रचार किहे अही, उ "हाँ" अउर "ना" दुइनँउ एक साथे
नाहीं बल्कि ओनके कारण एक चिरन्तन "हाँ" का घोसणा
कही गइ बा। **20**काहेकि परमेस्सर जउन अनन्त प्रतिज्ञा किहे
अहइ उ ईसू मँ सबके बरे 'हाँ' बनि जात ह। इही बरे हम
ओकरे द्वारा जउन "आमीन" कहत अही उ परमेस्सर क ही
महिमा बरे होत ह। **21**उ जउन तोहका मसीह क मनई क
रूप मँ हमरे साथे सुनिस्चित करत ह अउर मइँ क
अभिसेक किहे बा उ परमेस्सर ही अहइ। **22**जउन हम पइ
आपन स्वामी क मोहर लगाए अहइ अउर हमरे भीतर
बयाना क नाई उ पवित्तर आतिमा दिहेस जउन इ बात क
आस्वासन बा कि जउन देइ क बचन उ हमका दिहे अहइ,
ओका उ हमका देई।
23साच्छी की तरह परमेस्सर क दुहाई देत अउर अपने
जीवन क सपथ लेत मइँ कहत अहउँ कि मइँ दुवारा
कुरिन्तुस इही बरे नाहीं आए रहेउँ कि मइँ तोहका पीड़ा से
बचावई चाहत रहेउँ। **24**ऐकर मतलब इ नाहीं कि हम तोहरे
बिसवासे पर काबू पावई चाहत अही। तू तउ अपने बिसवासे
मँ अडिग अहा। बल्कि बाति इ अहइ कि हम तउ तोहरे
खुस रहई बरे तोहार कर्मी अही।

एसिया मतलब एसिया माइनर क पच्छिमी भाग।

2 इही बरे मइँ इ निस्चय कई लिहे रहेउँ कि तोहका फिन स दुख देइ तोहरे लगे न आई। **2**काहेकि अगर मइँ तोहका दुखी करब तउ फिन भला अइसेन कउन होई जउन मोका सुखी करी? सिवाई तोहका जेका मइँ दुख दिहे अहउँ। **3**इहइ बात त मइँ तोहका लिखे हउँ कि जब मइँ तोहरे लगे आवउँ तउ जेनसे मोका आनन्द मिलइ चाही ओनके तरफ स मोका दुख न पहुँचावा जाई।

4काहेकि तू सबन मँ मोका बिसवास रहा कि मोर खुसी मँ तू सभे खुस होब्या। काहेकि तोहे मइँ दुख भरे मन अउर बेदना क साथे आँसू बहाई-बहाई क ई लिखे अहउँ। पर तोहका दुखी करई बरे नाहीं, बल्कि इही बरे कि तोहरे लिए जउन मोर पिरेम बाटई उ केतना महान बा तू एँका जान सका।

बुरा करई वालन क छमा करा

5मुला अगर कउनो मोका कउनउ दुख पहुँचावई तउ उ मोका केवल नाहीं, बल्कि कउनो न कउनो मात्रा मँ तू सबन क पहुँचाए बा। **6**अइसेन मनई क तोहार समुदाय जउन दण्ड दई दिहे अहइ, उहइ परियाप्त बा।

7इही बरे तू तउ अब ओकरे विपरीत ओका छमा कई द्या। अउर ओका प्रोत्साहित करा। ताकि उ कहूँ बढ़ाइ चढ़ाइ दुख मँ न डूबि जाई। **8**इही बरे मोर तोहसे बिनती बा कि तू ओकरे बरे अपने पिरेम क बढ़ावा। **9**इ मइँ तोहका इ देखई बरे लिखे अही कि तू परिच्छा मँ पूरा आज्ञाकारी ह्वा या नाहीं। **10**मुला अगर तू कउनो क कउनउ बात क बरे छमा करित ह तउ ओका मइँ भी छमा करत ह अउ जउन कछू छमा किहे अही। अगर कछू मइँ छमा किहे अही तउ उ मसीह हमरे साथ रहा तोहरे बरे किहे अही। **11**ताकि सइतान हमसे कछू भी न जीत सकइ।

पौलुस क असान्ति

12जब मसीह क सुसमाचार क प्रचार करई बरे मइँ त्रोआस आएउँ तउ उहाँ मोरे बरे पर्भू क दुवार खुला रहा। **13**अपने भाई तितुस क उहाँ न पाइके मोर मन बहुत बियाकुल रहा। तउ ओनसे विदा लइके मइँ मैसीडोनिया क चली दीन्ह।

मसीह से विजय

14मुला परमेस्सर धन्य अहइ जउन मसीह क कारण अपने विजय अभियान मँ हमरे हमेसा राह देखॉवत ह। अउर हमरे कारण हर कहूँ अपने गियान क सुगन्धि फैइलावत ह। **15**काहेकि ओनके बरे जउन अबहीं उद्धार क राह पर अहइँ अउर ओनके बरे जउन बिनास क रस्ता पर अहइँ, हम मसीह क परमेस्सर क समर्पित मधुर भीनी सुगंधित धूप अही। **16**मुला ओनके बरे जउन खोइ ग अहइँ। इ मऊत क अइसेन दुर्गन्धि अहइ। जउन मऊत कइँती लई जात ह। पर ओनके बरे जउन उद्धार क रस्ता पर बढ़त अहइँ, इ जीवन क अइसेन सुगन्ध अहइ, जउन जीवन क तरफ अग्रसर करत ह। मुला इ काम बरे सुपात्र आदमी कउन बाटेन? **17**परमेस्सर क बचन क अपने लाभ बरे, ओं मइँ मिलावट कइके बेचईवाले बहुत जने से दुसरे लोगन जइसे हम नाहीं अही। न तउ! हम ते परमेस्सर क समन्वा परमेस्सर क तरफ स भेजा गवा मनइयन क समान मसीह मँ स्थित होकर, सच्चाई क साथे बोलित ह।

नवा करार

3 एहसे का अइसा लागत ह कि हम फिन स आपन प्रसंसा अपने आपइ करइ लागे अही? अउर का हमका तोहरे बरे या तोहसे पहिचान पत्र लेई क जरूरत बा? जइसेन कि कछू लोग करत हीं। निस्चय ही नाहीं **2**हमार चिठ्ठी त तू खुदइ अहा जउन हमरे मने मँ लिखा बाटइ जेका सब जने जानत हीं अउर पढ़त हीं। **3**अउर तूहउँ तउ अइसेन देखावत ह। जइसे तू मसीह क चिठ्ठी अहा। जउन हमरे सेवा क फल अहइ जेका स्याहीं से नाहीं बल्कि सजीव परमेस्सर क आतिमा से लिखा गवा बा। जेका पथरीली सिलान* पर नाहीं बल्कि मनइयन क ह्रदय पटल पर लिखा गवा बा।

4हमका मसीह क कारण परमेस्सर क समन्वा अइसेन दावा करई क भरोसा बा। **5**अइसेन नाहीं ना कि हम अपने आपन मँ एतना समरथ अही जउन सोचई लगा अहइँ कि हम अपने आपइ से कछू कइ सकित ह। बल्कि हमका समरथ तउ परमेस्सर से मिलत ह। **6**उहइ हमका एक नवा करार क सेवक बनवई क जोग्ग ठहराए बाटइ इ कउनउ लिखी संहिता नहीं अहइ। बल्कि आतिमन क करार अहइ काहेकि लिखी संहिता तउ मारत ह जब कि आतिमा जीवन देत ह।

पौलुस क सेवा मूसा क सेवा स महान बा

7काहेकि उ सेवा जउन मऊत से जुरी रही (यानी व्यवस्था) जउन पत्थर पर लिखा गवा बा। ओहमें एतना तेज बाटई कि इस्राएल क लोगन मूसा क ओह तेजवाला मुँह क एकटक्कई न देख सकेन। अउ ओकर उ तेज बाद मँ कम होइ गवा। **8**फिन भला आतिमा से लगी सेवा अउर जियादा तेज काहे न होइ। **9**अउर फिन जब दोसी ठहरावइ वाली सेवा मँ एँतना तेज बा तउ सेवा मँ केतॅना जियादा तेज होई। जउन धर्मी लोगन क परमेस्सर स ठहरावइ वाली सेवा क बा। **10**काहेकि जउन पहिले तेज से भरापूरा रहा उ अब ओह तेज के आगे जउन मँ ओहसे कहूँ जियादा तेज बा, तेज स कम होइ गवा। **11**काहेकि उ सेवा जेकर तेज बिना होइ जाब निस्चित रहा। उ तेज रही त जउन अमर बा उ केतना तेज होइ।

12अपने इहइ आसा क कारण हम ऐतना निरभय अही। **13**हम उ मूसा क जइसेन नाहीं अही, जउन अपने मुँह पर परदा डाले रहत रहा कि कहूँ इस्राएल क लोग आपन आँख गड़ाइ क जेनकर बिनास निस्चितइ रहा ओह सेवा अन्त क न देखि लेइँ। **14**मुला ओकर बुद्धि जड़ होइ ग रही काहेकि आज तलक जब उ पुराने करार क पढ़त हीं तउ

पथरीली सिलान परमेस्सर सीनै पर्वत प मूसा क जउन व्यवस्था दिहे रहा उ पाथरन प लिखा गवा रहा। (निर्ग. 24:12; 25:16)

अबभी उहइ परदा ओनपर बिना हटाए पड़ा रहत रहा।
काहेकि उ परदा बस मसीह क कारण ही हटावा जात ह।
15आज तलक जब जब मूसा क ग्रन्थ पढ़ा जात रहा। तउ
पढ़इवाले क मने पर परदा पड़ा रहत रहा। 16मुला जब
कउनो क हिरदइ पर्भू क तरफ मुड़त रहत ह तउ परदा
हटाइ दीन्ह जात ह। 17देखा! जउने पर्भू के ओर मइँ इसारा
करत हउँ, उहइ आतिमा अहइ। हुवँइ स्वतन्त्रता अहइ। अउ
जहाँ पर्भू क आतिमा बा। 18उहाँ छूट बा। त हम सब अपने
खुला मुँहे क साथे सीसा मँ पर्भू क तेज क जब धियान
करित ह तउ हमका वइसेन भवा लागत ह अउ हमार तेज
बहुत अधिक बढ़ा लागत ह। तेज उ पर्भू स मिलत ह,
जउन आतिमा अहइ।

माटी क भांडी मँ आतिमा क धन

4 काहेकि परमेस्सर क दया स इ सेवा हम सबन का
मिली बा, इही बरे हम निरास नाहीं होइत। 2हम तउ
लजाइ वाला छुपा काम क छोड़ दिहे अही। हम कपट नाहीं
करित अउर न तउ हम परमेस्सर क बचन मँ मिलावट
करित ह बल्कि सत्य क सरल रूपे मँ परगट कइके लोगन
क चेतना मँ परमेस्सर क सामने अपने आपके प्रसंसा क
जोग्ग ठहराइत ह। 3जउन सुसमाचार क हम प्रचार करीत
ह, ओह पर य कउनउ परदा पड़ा होइ तउ इ केवल ओनके
बरे पड़ा बा। जउन बिनासे क रस्ता पर चलत ही। 4एह जुगे
क सुवामी (सइतान) एह अबिसवसियन क बुद्धि क आँधर
कइ दिहे अहइ। ताकि उ पचे परमेस्सर क साच्छात
एकदम्मई वइसेन हीं रूप उ मसीह क महिमा क सुसमाचार
स फूटन रह प्रकास (सत्य) क न देख पावइँस। 5हम खुद
आपमन प्रचार नाहीं करित ह बल्कि पर्भू क रूपवा मँ उ
मसीह ईसू क उपदेस देइत ह। अउर अपने बारे मँ त इहइ
कहित ह कि हम ईसू क नाते तोहार सेवक अही। 6काहेकि
उइ परमेस्सर तउ जउन कहे रहा, “अँधियारे स ओजियारे मँ
चमकइ।” उहइ हमरे हीये मँ अँजोर भवा बा। ताकि हमका
ईसू मसीह क व्यक्तित्व मँ परमेस्सर क महिमा क गियान
क ज्योति मिल सकइ।

7मुला हम जइसेन माटी क भाँडिन मँ उ सम्पतिन इही
बरे रखी गइ बा, अउर इ सिद्ध होइ गवा अहइ कि उ
असीमित सक्ति हममे नाहीं उहइ आवत बल्कि परमेस्सर से
आवत ह। 8हम हर समइ सब प्रकार क कठिन दबाव मँ
जियत हइ, मुला हम कुचल नाहीं ग अही। हम घबरान
अही मुला निरास नाहीं अही 9हमका यातना दीन्ह जात ह,
पर हम खतम नाहीं अही हम झुकाइ दीन्ह जात अही, पर
नस्ट नाहीं होइत। 10हम हमेसा अपने देह मँ ईसू क हतिया
क सब जगहा लिहे रहित ह ताकि ईसू क जीवन उ हमरे
देहन मँ स परगट होइ। 11ईसू क कारण हम जउन जिअत
अही ओनके हमेसा मऊत क हाथे सौंपा जात ह। ताकि ईसू
क जीवन नासवान सरीर मँ एकदम्मई उजागर होइ सकइ।
12इही बरे मऊत हमरे मँ अउर जीवन तोहरे मँ सक्रिया बा।

13सास्तरन मँ लिखा बा, “मइँ बिसवास किहे रहेउँ इही
बरे मइँ बोलेउँ।”* हमहूँ मँ बिसवास क उहइ आतिमा बा
अउर हम भी उही प्रकार क बिसवास करित ह इहीं बरे
हमहूँ बोलित ह। 14काहेकि हम जानित ह कि जे पर्भू ईसू
क मरे रहे मँ जियाइ क उठाएस उ हमहूँ क उही तरह ईसू
क साथ जिन्दा करिही। जइसेन क ईसू क जियाएस ह।
अउर हमहूँ क तोहरे साथे अपने सामने खड़ा करिही। 15इ
सब बात तोहरे बरे ही करी जात ह। ताकि जियादा से
जियादा लोगन मँ फइलत जात रही परमेस्सर क अनुग्रह
परमेस्सर क महिमा चमकावइ वाले जियादा स जियादा
धन्यवाद देइ मँ फलि सकइँ।

बिसवास स जीवन

16इही बरे हम निरास नाहीं होइत! जद्यपि हमार भौतिक
सरीर कमजोर होत जात बा, तबऊ हमार अन्तरात्मा रोज्इ
नवा से नवा होत जात बा। 17हमार पल भरे क इ छोट
मोट दुख एक न तुलना कीन्ह जाइवाली अनन्त महिमा पैदा
करत बा। 18जउन कछू देखा जाइ सकत ह, हमार आँखी
ओह पर नाहीं टिकी बा। काहेकि जउन देखा जाइ सकत ह
उ बिनासी नहीं बा, जब कि जउन नाहीं देखा जाइ सकत ह
उ अस्थाई बा।

5 काहेकि हम जानित ह कि हमार इ काया मतलब इ
तम्बू जेहमें हम इ धरती पर रहित ह गिराइ दीन्ह जाई
तउ हमका परमेस्सर क तरफ स सरग मँ एक भवन मिलि
जात ह, जउन मनइयन क हाथे बना नाहीं बा अउर यह
भवन चिरस्थाई अहइ। 2तउ हम जब तलक इह आवास मँ
अही, हम रोवत-धोवत रहित ह अउर इहइ चाहित रहित ह
कि अपने स्वगीय भवन मँ जाइ बसी। 3(निस्चित हमार इ
धारण अहइ कि हम ओका पउबइ अउर फिन बिना घरे क
न रहबइ) 4हमरे मँ स उ जउन इहइ तम्बू यानि भौतिक
सरीरी मँ स्थित बा, बोझ से दबा कराहत बाटेन। कारण इ
अहइ कि हम कबहुँ नंगा न पावा चाहित काहेकि उम्मीद
अहइ हम जब संसारिक सरीर छोड़ देब ताकि जउन कछू
नासवान बा ओका अनन्त जीवन निगल लेइ। 5जे हमका इ
प्रयोजन क बरे तइयार किहे अहइ, उ परमेस्सर ही अहइ।
उहइ इ आस्वासन क रूपें मँ कि अपने बचन की नाहीं उ
हमका देइ। बयाना क तरह हमका आतिमा दिहे बा।

6हमका पूरा बिसवास बाटइ, काहेकि हम जानित ह कि
जब तक हम अपने देही मँ रहत अही, पर्भू से दूर अही।
7काहेकि हम बिसवास क सहारे जिअत अही बस आँखी
देखी क सहारे नाहीं। 8हमका बिसवास बा इही बरे मइँ
कहत हउँ कि हम अपने देही क तियागके, जाइके पर्भू क
साथे रहइ बरे अच्छा समझित ह। 9इही बरे हमार ई
अभिलास बा कि हम चाहे हियाँ अपने सरीर मँ रही अउर
चाहे हुआँ पर्भू क साथ, ओका अच्छा लागत रहइ। 10हम
सब आपन तन मँ स्थित रहिके भला या बुरा, जउन कछू
किहे अही, ओकर फल पावई बरे मसीह क निआव आसन
क समन्वा उपस्थित जरूर होइ क बा।

परोपकारी परमेस्सर क दोस्तन होत ह

11सच क स्वीकार करा, कहेकि हम जानित ह कि पर्भू
स डराइक, मतलब होत ह। हमरे अउर परमेस्सर क बीच मँ

“मइँ … बोलेउँ” भजन. 116:10

कउनउ परदा नाहीं बा। अउर मोका आसा बा कि तू हमका
पूरी तहर से जानत अहा।

12हम तोहरे सामने फिन स आपन कउनउ सिफारिसि नाहीं
करत अही। बल्कि तोह पचन क एक अवसर देत अही कि
तू हम प गरब कइ सका। ताकि जउन देखाइवाली चीजन
पर गरब करत हीं, तउ ओह प जउन कछू ओनके मने मँ
बा, ओनका ओकर उत्तर दइ सकइ। 13काहेकि अगर हम
दीवाना अही तउ परमेस्सर बरे अही अउर अगर सयान अही
तउ उ तोहरे बरे अही। 14जउन नियन्ता अहइ हमार तउ
मसीह क पिरेम अहइ। काहेकि हम अपने मन मँ इ धई
लिहे अही कि उ एक मसीह सब मनइयन क बरे मरा रहा।
मतलब सब मरि गएन। 15अउर उ सब जने बरे मरा
काहेकि जउन लोग जिन्दा अहइँ, उ अब आगे बस अपनेन
बरे न जिअत रहइँ। बल्कि ओनके बरे जियइँ जउन मरइ क
बाद फिन जिन्दा कइ दिहा गवा।

16परिणामसरूप अबहुँ स आगे हम कउनो क मनइयन
क संसारी आँखी स नाहीं देखा। जद्यपि एक समइ हम
मसीह क संसारी आँखी स देखे रहे। चाहे कछू होइ, अब
हम ओका इही तरह स नाहीं देखित ह। 17इही बरे अगर
कउनो मसीह मँ बाटई तउ अब उ परमेस्सर क नवी स्रिस्टी
क अंग अहइ। पुरान बात जात रही अब। सब कछू नवा
होइ गवा वा।

18अउ फिन उ सब बात ओह परमेस्सर का कारज
अहइँ, जउन हमका मसीह क कारण अपने मँ मिलाइ लिहे
बा अउर जने क परमेस्सर स मिलवाइ क काम हमका सौंपे
बा। 19हमार सँदेसा बा कि परमेस्सर लोगन क पापन क
अनदेखी करत मसीह क कारण ओका अपने मँ मिलावत
ह। अउर उहइ मनइयन क परमेस्सर से मिलवइ क सँदेस
हमका सौंपे अहइ। 20इहीं बरे हम मसीह क प्रतिनिधि रुप
मँ काम करत अही। माना कि खुद परमेस्सर लोगन का
बोलॉवत ह हमरे माध्यम स। मसीह क तरफ से हम तोहसे
बिनती करत अही कि परमेस्सर क साथे मिलि जा। 21जउन
मसीह पाप रहित रहा, परमेस्सर ओका हमरे बरे पाप
ठहराएस ओक उ इही बरे पाप बली बनाएस कि ओकरे
हम कारण परमेस्सर क साथे अच्छा बन जाई।

6 परमेस्सर क काम मँ साथे साथे काम करइ क नाते
हम तू लोगन स आग्रह करत अही कि परमेस्सर क
जउन अनुग्रह तोहे मिला बा, ओका बेकार न जाइ द्या।
2काहेकि उ कहे बा:

“तोहार सुन लिहा अच्छे समइ पर मइँ अउर उद्धार क
दिना आवा मइँ तोहका सहारा देइ।”

यसायाह 49:8

देखा! “उचित समइ” इहइ अहइ! देखा! “उद्धार क दिन”
इहइ अहइ।

3हम कउनो क बरे कउनउ बहुत विरोध उपस्थित नाहीं
करित ह जेसे हमरे कामे मँ कउनउ कमी आवइ। 4बल्कि
परमेस्सर क सेवक क रूप मँ हम सब तरह से अपने क
अच्छा सिद्ध करत रहित ह। धीरज क साथे सबकछू सहत
सहत सबइ यातना क बीच, बिपत्तियन क बीच, कठिनाइन
क बीच 5मार खात खात बन्दी घरे मँ रहत रहत भीड़ हमरे
खिलाफ अउर हमसे झगड़त रही मेहनत करत करत रातिन
रात पलकउ न झपकाइके, भूखा रहिके, 6अपने पवित्तर
जीवन, गियान अउर धीरज से आपन दया स, अपने पवित्तर
आतिमा स, अपने सच्चे पिरेम स 7अपने सच्चे सँदेस अउर
परमेस्सर क सक्ती स नेकी क अपने दायें बाँए हाथन मँ
ढाल क रूप मँ लइके 8हम आदर अउर निरादर क बीच
अपमान अउ सम्मान मँ अपने क उपस्थित करत रहित ह।
हमका ठग समझा जात ह, हम सच्चा अही 9हमका
गुमनाम समझा जातह, जब कि हम सच्चा अही हमका मरा
हुआ जानत हीं, तबउ देखा हम जिन्दा अहीं। हमका दण्ड
भोगईवाला जाना जात ह, तबउ देखउ हम मऊत क नाहीं
सौंपा जाइत ह। 10हमका सोक से बियाकुल समझा जात ह,
जबकि हम तउ हमेसा खुस रहित ह। हम दीन हीन क नाई
जाना जाइत ह, जब कि हम बहुत जने क धनी बनावत
अही। लोग समझत हीं कि हमरे लगे कछू नाहीं ना, जब
कि हमरे लगे तउ सब कछू बा।

11हे कुरिन्थियन! हम तोहसे पूरी तरह खुली क बात
किहे अही। तोहरे बरे हमार मन फैला बा। 12हमरा पिरेम
तोहरे बरे कम नाहीं भवा बा। मुला तु हमसे पिरेम करई क
बन्द कइ दिहे अहा। 13तोहका आपन बच्चा समझत भए
मइँ कहत हउँ कि अच्छा प्रतिदान क रूप मँ आपन मन
तोहार हमरे बरे पूरी तरह फैला रहइ चाही।

गैर मसीहन क संगत क विरुद्ध चेतावनी

14अबिसवासियन क साथे बेमेल संगत जिनकरा काहेकि
नेकी अउर बदी क भला कइसेन बराबरी? इ प्रकास अउर
अँधारे मँ भाईचारा क कइसेन तालमेल? 15अइसे मसीह का
बलियाल (सइतान) स का तालमेल अउर अविसवासी क
साथे बिसवासी क कइसेन साझा? 16परमेस्सर क मंदिर क
मूर्तियन स का नाता? काहेकि हम खुदइ उ सजीव परमेस्सर
क मंदिर अही, जइसेन की परमेस्सर कहे रहा:

“मइँ ओहमे अधिवास करब, चलबई फिरब होब ओनकर
परमेस्सर अउर बनिहीं उ मोर लोग।”

लैव्यव्यवस्था 26:11-12

17“इहीं बरे तू ओहमें स आइ जा बाहेर, अलग करा
ओनसे अपने क अब न कबहुँ छुआ तू कछूउ जउन असुद्ध
अहइ तब मइँ तोहका अपनउबई।” *यसायाह 52:11*

18“अउ तोहार पिता बनब तू होब्या मोरे बेटवा, मोर
बिटिया सर्वसक्तिमान पर्भू इ कहत हीं।”

2 समूएल 7:14; 7:8

7 पिआरे मित्रन, काहेकि हमरे लगे इ प्रतिज्ञाँ अहइँ, इही
बरे आवा परमेस्सर क बरे स्रद्धा क कारण हम अपने
पवित्रता क परिपूरन करत भए अपने बाहेर अउर भीतर
सबन दोसन क धोइ डालेन। हमका परिपूर्ण होइ चाही जइसे
हम जिअत अही, काहेकि हम परमेस्सर क सम्मान करित
ह।

पौलुस क आनन्द

2अपने मने मँ हमका स्थान द्या हम कउनो क कछू
बिगाड़े नाहीं अही। हम कउनो क कउनउ ठेस नाहीं पहुँचाए
अही। हम कउनो क साथे छल नाहीं किहे अही। 3मइँ तोहे
दोसी ठहरावइ बरे अइसेन नाहीं करत अही काहेकि मइँ तोहे
बताइ चु का अही कि तु तउ हमरे मने मँ बसत। हिआँ
तलक कि हम तोहरे साथ मरई क अउर जिअइ क तइयार
अही। 4मइँ तोहसे खुलकर कहत रहा हउँ कि तोहपे मोका
बड़ा गरब बा। मइँ सुख चैन से अहउँ। आपन सब यातना
झेलत मोका आनन्द उमड़त रहत ह।

5जब हम मैसीडोनिया आइ रहे तबहुँ हमका आराम नाहीं
मिल रहा, बल्कि हमका तउ सब तरह से दुख उठावइ पड़ा
रहा बाहेर क झगड़न से अउर मन क भितर डर से। 6मुला
दीन दुखिन क खुस करइवाला परमेस्सर त तीतुस क इहाँ
पहुँचाइके हमका सान्त्वना दिहे अहइ। 7अउर उहउ केवल
ओनके इहाँ पहुँचेन की नाहीं बल्कि अइसे हमका अउर
जियादा सान्त्वना मिली कि तू ओका केतना सुख दिहे अहा।
उ हमका बताएस कि हमसे मिलइ क तू केतना बियाकुल
अहा। तोहका हमार केतॅना चिन्ता बा। ऐसे हम अउर भी
खुस भए।

8जद्यपि अपने चिठ्ठी स मइँ तोहका दुख पहुँचाए हउँ
मुला फिन भी मोका ओके लिखई क खेद नाहीं बा। चाहे
पहिले मोका एकर दुख भवा मुला अब मइँ देखत अही कि
उ चिठ्ठी स तोहे बस पल भरे क दुख पहुँचाइ रहेउँ। 9तउ
अब मइँ खुस हउँ। एह बरे नाहीं कि मइँ तोहका दुख
पहुँचाए रहेउँ। बल्कि एह बरे कि उही दुखे क कारण से तू
पछतावा किहे अहा। तोहका उ दुख भवा जेह तरह कि
परमेस्सर चाहत रहा ताकि तोहका हमरे कारण कउनउ हानि
न पहुँच पावइ।

10काहेकि उ दुख जउन परमेस्सर की इच्छा क अनुसार
होत ह एक अइसेन मनफिराव क जन्म देत ह जेहके बरे
पछतावई क नाहीं पड़त अउ जउन मुक्ति देवॉवत ह। मुला
उ दुख जउन संसारी होत ह, ओहसे तउ बस मउत जनम
लेत ह। 11देखा! इ दुख जउन परमेस्सर दिहे अहइ, उ तोहमें
केतना उत्साह जगाइ दिहे बा। अपने भोलापन क केतॅना
प्रतिरच्छा, केतना विरोध केतना आकुलता, हमसे मिलइ क
केतनी बेचैनी, केतना साहस, पापी क बरे निआव चुकावइ
क कइसेन भावना पैदा कइ दिहे बा। तू हर बाते मँ इ देखइ
दिहे अहा कि एह बारे मँ तू केतना निर्दोस रह्या।

12तउ इ मइँ तोहे लिखे रहे तउ उ मनई क कारण नाहीं
जउन अपराधी रहा अउ न तउ ओकरे कारण जेनके प्रति
अपराध किहा गवा रहा। बल्कि एह बरे लिखा गवा रहा
कि परमेस्सर क सामने हमरे कारण तोहरे चिन्ता क तोहका
बोध होइ जाए। 13ऐसे हमका प्रोत्साहन मिला बा।

हमरे इ प्रोत्साहन क अलावा तीतुस क आनन्द स हम
अउर जियादा आनन्दित भए काहेकि तू सबके कारण ओनके
आतिमा क चइन मिला बा। 14तोहरे बरे मइँ ओनसे जउन
बढ़ चढ़ क बात किहे रहे, ओकरे बरे मोका लजाइ क
नाहीं पड़ा रहा। बल्कि हम जइसे तोहसे सबकछू सच सच
कहे रहे वइसेन ही तोहरे बारे मँ हमार गरब तीतुस क
सामने सच सिद्ध भवा अहइ। 15उ जब इ याद करत हा कि
तू सब कउनो तरह ओनकर आगिया माना ह अउर डर क
मारे थर थर काँपत भए तू कइसे ओनका सुवागत किहा
तउ तोहरे बरे ओनकर पिरेम अउ जियादा बढ़ जात ह।
16मइँ खुस अही कि मइँ तोहसे पूरा भरोसा रखी सकित ह।

हमार दान

8 देखा भाइयो, अब हम इ चाहित ह कि तू परमेस्सर क
ओह अनुग्रह क बारे मँ जान ल्या मैसिडोनिया छेत्र क
कलीसियावन पर कीन्ह गवा बा। 2मोर मतलब इ अहइ कि
जद्यपि ओनकर कठिन परीच्छा लीन्ह गइ अहइ। तबउ उ
पचे खुस रहेन, अउ अपने गहन गरीबी क रहत ओनकर
सब उदारता उमड़ी पड़त रही। 3मइँ प्रमानित करत हउँ कि
उ पचे जेतना दइ सकत हीं दिहेन! एतनई नाहीं बल्कि अपने
समरथ से जियादा प्रोत्साहन दइ दिहेन। 4उ पचे बड़े आग्रह
क साथ परमेस्सर क लोग सहायता करइ मँ हमका सहयोग
देइ क विनय करत रहेन। 5ओनका जइसेन हमसे आसा रही,
वइसेन नाहीं बल्कि पहिले अपने आप क पर्भू क समर्पित
किहेन अउर फिन परमेस्सर क इच्छा क अनुकुल उ पचे
हमका अर्पित होइ गएन।

6इहीं बरे हम तीतुस स पराथना कीन्ह कि जइसेन उ
अपने काम क पूरा कइ ही दिहे बाटइ होइ। वइसेन हाँ उ
अनुग्रह क काम क तोहरे बरे करी। 7अउ जइसेन कि तू
सब बाते मँ यनि बिसवासे मँ, बानी मँ, गियान मँ, अनेक
प्रकार क उपकार करइ मँ अउर हम तोहका जउनो पिरेम
क सिच्छा ह दीन्ह ह उ पिरेम मँ, जउन भरपूर होइ सीख्या
ह वइसेन ही अनुग्रह क इ कामें मँ सम्पन्न होइ जा।

8इ मइँ आदेस क रूपे मँ नाहीं कहित ह बल्कि अउर
मनइयन क मने मँ तोहारे बरे जउन तेजी बा, उ पिरेम क
सच्चाई क परख करइ क बरे अइसेन करत इउँ। 9काहेकि
हमार पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह स तू परिचित अहा। तू इ
जानत अहा कि धनी होके तोहरे बरे उ निर्धन बन गवा।
ताकि ओनकइ गरीबी स तू मालामाल होइ जा।

10इ बिसय मँ मइँ तोहे आपन सलाह देत हउँ, तोहे इ
सोभा देत ह। तू पिछले साल न केवल दान देइ क इच्छा मँ
सबसे आगे रह्या। बल्कि दान देइ मँ भी सबसे आगे रह्या।
11अब दान करइ क उ तेज इच्छा क तू जउन कछू तोहरे
पास बा, ओहसे पूरा करा। तू एका ओतनेन लगन से “पूरा
करा।” जेतने लगन से तू एका “चाहे” रह्या। 12काहेकि
अगर दान स देइ क लगन अहइ तउ मनइयन क लगे
जउन कछू बा, उहइ क अनुसार ओकर दान ग्रहण करइ क
जोग्ग बनत ह। न कि ओनके अनुसार जउन ओनके पास
नाहीं बा। 13हम इ नाहीं चाहित ह कि दुसरन क तउ सुख
मिलई अउर तोहे कस्टन, बल्कि हम तउ बराबरी चाहित ह।
14हमार इच्छा बा कि ओनके इ अभाऊ क समइ मँ तोहर
सम्पन्नता ओनके अभाव क दूर कइ सकइ आवस्यकता पड़े
पर आगे चलिके ओनकी सम्पन्नता भी तोहरे अभाव क दूर
करइ, ताकि समता स्थापित हो सकइ। 15जइसे कि पवित्तर
सास्तर मँ कहा गवा बा:

"जे बहुत बटोरेस ओकरे लगे न जियादा रहा, अउर जे
कम बटोरेस ओकरे लगे न तनिकउ रहा।" *निर्गमन 16:18*

तीतुस अउर ओनकर संघी

16परमेस्सर क धन्यवाद बा जे तीतुस क मने मँ तोहरे
सहायता क बरे वइसेन तीव्र इच्छा भर दिहे बा, जइसेनइ
हमरे मने मँ बा। 17काहेकि उ हमार पराथना स्वीकार किहेस
अउर उ ओकरे बरे विसेस रुप स आपन इच्छा भी क
रखत ह। इही बरे उ खुद आपन इच्छा से ही तोहरे लगे
आवई बरे बिदा होत बा। 18हम ओकरे साथे उ भाई क
भेजत अही, जेकर सुसमाचार क प्रचार की उत्सुकता सब
कलीसियावन मँ सब जगह जस फइलत बा। 19एकरे
अलावा इ दयापूर्वक काम मँ कलीसियनन ओका हमरे साथे
जात्रा करइ बरे नियुक्त कीन्ह गवा अहइ। इ द्या क काम
जेकर प्रबन्ध हमरे कारण कीन्हा जात अहइ। खुद पर्भू क
महिमा करइ बरे अउर परोपकार मँ हमार लगन क देखॉवई
बरे बा।

20हम सावधान रहइ क चेस्टा करत अही इ बड़े भेंट
की व्यवस्था करत अही, केऊ हमार बुराई न करइ।
21काहेकि हमका आपन अच्छी साख बनबइ रखइ क
चिन्ता बा। न केवल पर्भू क आगे बल्कि लोगन क बीच
मँ। 22अउ ओनके साथे हम आपन उ भाई क भेजत रहे,
जेका बहुत बिसय मँ अउ बहुत मौकन पर हमका परोपकार
क बरे उत्सुक मनई क रूप मँ प्रभावित किहे अहइ। अउर
अब त तोहरे बरे ओहमें जउन असीम बिसवास बा, ओहसे
ओहमे सहायता करइ क उत्साह अउर जियादा होइ गवा
बा।

23जहाँ तलक तीतुस क विसय मँ पूछे बा, तउ तोहरे
बीच सहायता क काम मँ मोर साथी अउर साथे साथे काम
करइवला रहा। अउर जहाँ तलक हमरे भाइयन क सवाल
बाटई, उ सबइ तउ कलीसियन क प्रतिनिधि अउ मसीह क
महिमा लावत समान बा। 24तउन तू ओन्हे अपने पिरेम क
प्रमाण देब अउर तोहरे बरे हम एतना गरब काहे रक्खित ह,
ऐका सिद्ध करब ताकि सब कलीसिया ओका देख सकइँ।

साथियन क मदद करा

9 अब परमेस्सर क लोगन क सेवा क बारे मँ तोहे एह
तरह से लिखत चला जाब मोरे बरे जरूरी नाहीं बा।
2काहेकि सहायता क बरे तोहर लोगन क मइँ जानत हउँ
अउर ओकरे बरे मैसीडोनिया निवासियन क सामने इ कहत
मोका गरब बा कि अखाया क लोग तउ, पिछले साल से
ही तइयार अहइँ। अउ तोहरे उत्साह तउ ओनमें से जियादातर
काम बरे प्रेरणा दिहे अहइँ। 3मुला मइँ भाइयन क तोहरे
लगे इही बरे भेजत हउँ कि तोहके लइक मइँ जउन गरब
करत हउँ, उ ऐह बारे मँ खराब सिद्ध न होई। अउर एह बरे
की तू तइयार रहा, जइसेन की मइँ कहत आएउँ ह। 4नाहीं
तउ जब केउ मैसीडोनिया बासी मोरे साथे तोहरे लगे आवइ
अउर उ पचे तोहे तइयार न पावइँ तउ तोहरे ऊपर बिसवास
करइ क कारण हमार बदनामी होइ, इहइ नाहीं काहेकि
एहमे तोहार बदनामी होइ। (तू अउर जियादा लज्जित होब्या।)
5इहीं बरे मइँ भाइयन स इ कहब जरूरी समझा कि उ
हमसे पहिले ही तोहरे लगे जाइँ अउर जेन उपहारन क दइ
क तू पहिलेन ही बचन दइ चुका अहा ओन्हे पहिलेन से
उदारतापूर्वक तइयार रखा। इही बरे इ दान स्वेच्छापूर्वक
तइयार रखा जाइ न कि दबाउ क साथे तोहसे छीनी गइ
कउनउ चीज के रूप मँ।

6एका याद रक्खा। जे छितरा बोवत हीं, उ छितरा ही
कटिहीं। अउर जेकर बुआइ सघन बा, उ सघनइ काटी।
7सब कउनो बिना कउनउ कस्ट क य बिना कउनउ दबाउ
क, उतनइ देइ जेतना उ मने मँ सोचे अहइ। काहेकि
परमेस्सर खुस मनइयन से ही पिरेम करत ह। 8अउ परमेस्सर
तोहपे सब प्रकार क अच्छा बरदानन क वर्सा कइ सकत ह
जेसे तू अपने जरूरत क सब चीजन मँ हमेसा खुस होइ
सकत ह अउर सब अच्छे कामन क बरे फिन तोहरे लगे
जरूरत से जियादा रही। 9जइसेन की पवित्तर सास्तर मँ
लिखा बा:

"मुक्त भाव से ऊ देत ह उ देत ह दीन लोगन क अउर
बनी रहत ह ओकर हमेसा दया क हमेसा हमेसा बरे।"

भजन संहिता 112:9

10उ परमेस्सर ही बोवइवाले क बीज अउर खाइवाले क
भोजन देत ह। उहइ तोहे आत्मिक बीज देई अउ ओकर
बढ़वार करी। उही से तोहरे नीक क खेती फूली फली। 11तू
सब प्रकार से सम्पन्न बनावइ जाब्या ताकि तू हर असर पर
उदार बन सका। तोहार उदारता परमेस्सर बरे लोगन क
धन्यवाद क पैदा करी। 12दान क इ पवित्तर सेवा मँ तोहार
योगदान से न केवल पवित्तर लोगन क जरूरत पूरी होत
ह। बल्कि परमेस्सर बरे बहुत जियादा धन्यवाद क भाउ भी
उपजत ह। 13काहेकि तोहरे इ सेवा स जउन प्रेरित होकर
परगट होत ह, ओसे लोग परमेस्सर क स्तुति करिहीं।
काहेकि ईसू मसीह क सुसमाचार मँ तोहरे बिसवासे क
घोसणा से पैदा भई तोहार आग्या क कारण अउर अपने क
कारण ओनके बरे अउ अपने दयालुपन क कारण क
ओनके बरे अउर दुसरे सब लोगन बरे तू दान देत ह।
14अउर पचे तोहरे बरे पराथना करत तोहसे मिलइ क बड़ी
इच्छा करिहीं। तोहपे परमेस्सर क असीम अनुग्रह क कारण
15उ भेंट क बरे जेकर बखान नाहीं कीन्ह सकत ह,
परमेस्सर क धन्यवाद अहइ।

पौलुस स अपने सेवा क समरथन

10 मइँ पौलुस, अपने तउर पर मसीह क कोमलता
अउर सहनसीलता क साच्छी कइके तोहसे निवेदन
करत अहउँ। लोगन क कहब अहइ कि मइँ जउन तोहरे
बीचवा मँ रहत विनम्र अहउँ। मुला उहइ मइँ जब तोहरे बीच
नाहीं अहउँ, तउ तोहरे बरे निर्भय हउँ। 2अब मोर तोहसे
बिनती बा कि जब मइँ तोहरे बीच होउँ तउ उही बिसवास
क साथे वइसेन ही निर्भरता दिखावइ क मोहप दबाव जिन
डावा जइसेन कि मोरे विचार से मोका कछू ओन्हन लोगन

क विरुद्ध देखावई होइ जउन सोचत हीं कि हम एक संसारी
जीवन जिइत ह। 3काहेकि जद्यपि हमहूँ इही संसारे मँ रहित
ह। मुला हम संसारी लोगन क तरह नाहीं लड़ित ह।
4काहेकि जउने सास्तरन स हम लोगन क तर्कन क अउर
ऊ हर एक रूकावट जउन परमेस्सर क गियान क विरुद्ध
खड़ा अहइँ, खण्डन करत हीं। 5सो हम कल्पना क, अउर
हर एक उंची बात क, जो परमेस्सर क पहचान क विरोध मँ
उठत अहइँ, खण्डन करित ह, अउर हर एक भावना का
कैद कहके मसीह क आग्याकारी बनाइ देत अही। 6जब
तोहमे कुल आग्या करत बाटेन तउ हम सब परोपकार क
अनाज्ञा क दण्ड देइ बरे तइयार अही।

7तोहरे सामने जउन लच्छ बा ओनहीं क देखा। अगर
केउ अपने मने मँ इ मानत ह कि उ मसीह क अहइ, त उ
अपने बारे मँ फिन स याद करइ कि उहइ ओतनइ मसीह
क अहइ जेतना कि हम अही। 8अउर अगर अपने उ
अधिकार क विसय मँ कछू अउर गरब करइ जेका पर्भू हमे
तोहरे बिनास क बरे नाहीं बल्कि आत्मिक निर्माण क बरे
दिहे बा। 9तउ एकरे बरे मइँ तोहका इ भावना नाहीं देई
चाहित कि मइँ अपने पत्तरन स तोहका घबड़बाइत ह। 10मोरे
विरोधीन क कहब बा, "पौलुस क चिठ्ठी तउ भारी भरकम
अउर प्रभाऊपूरक अहइँ। लेकिन मोर उपस्थित रहब अहइ
तउ व्यक्तित्व कमजोर अहइ अउर बानी अर्थहीन बा।"

11मुला अइसेन कहइवाले मनइयन क समझ लेइ चाही
कि तोहरे बीच मँ न रहत भए, जब हम अपने चिट्ठीन मँ
कछू लिखित ह तउ ओहमें अउर तोहरे बीच रहत हम जउन
करम करित ह ओहमें कउनउ अन्तर नाहीं बा।

12हम उ कछू लोगन क साथे हमका तुलना करइ क
साहस नाहीं करित ह जउन अपने आपके बहुत महत्वपूर्ण
मानत हीं। मुला जब अपने क एक दूसरन से नापत हीं
अउर आपन मँ आपन तुलना करत हीं तउ उ इ दरसावत
हीं कि उ पचे नाहीं जानत हीं कि उ पचे केतना मूरख
अहइँ। 13चाहे जउन होइ, हम अच्छे उचित सीमा से बाहेर
बढ़ चढ़ क बात न करब। बल्कि परमेस्सर तउ हमरे सेवा
क जउन सीमा हमका सौंपे अहइ, हम उहीं मँ रहित ह,
अउर सीमा तोहे तलक पहुँचत ह। 14हम अपने सीमा क
उल्लंघन नाहीं करत अही, जइसेन कि अगर ह मतोहरे तक
नाहीं पहुँच पाइत, तउ होइ जात। मुला तोहे तक ईसू मसीह
क सुसमाचार लइके हम तोहरे लगे सबसे पहले पहुँचा
अही। 15अपने उचित सीमा स बाहेर जइके कउनो अउर
दूसरे मनइयन क काम पर हम गरब नाहीं करित ह मुला
हमका आसा बा कि तोहार बिसवास जइसे जइसे बढ़ी तउ
वइसे वइसे ही हमार गतिबिधियन क्क छेत्र क साथे तोहरे
बीच मँ हमहूँ बियापक रूप स फइलब। 16अइसे तोहरे छेत्र
क अगवा हम सुसमाचार क प्रचार कइ पाउब। कउनो
अउर क जउन काम सौंपा गवा बा ओह छेत्र मँ अब
तलक जउन काम होइ चुका बा हम ओकरे बरे सेखी नाहीं
बघारत अही। 17जइसेन की सास्तरन मँ कहा गवा बा:
"जेका गरब करइ क बा वो पर्भू जउन कछू किहे अहइ
उहइ पर गरब करा।"* 18काहेकि अच्छा उहइ माना जात
ह जेका पर्भू अच्छा स्वीकारत ह, न कि उ जउन अपने
आपके खुद अच्छा समझत हीं।

बनावटी प्रेरित अउर पौलुस

11 कास, तू मोर थोड़क मूरखता सही लेत्या। हाँ तू
ओका सहि ल्या। 2काहेकि मइँ तोहसे जलन होत
ह, इ जलन उ अहइ जउन परमेस्सर से मिलत ह। मइँ
तोहार मसीह से सगाई कराइ दिहे हउँ। ताकि तोहे एक
पवित्तर कन्निया क समान ओका अर्पित कई सकउँ। 3मुला
मइँ डेरात अहउँ कि कहूँ जइसेन उ सर्प हव्वा क अपने
कपट से भ्रस्ट कइ दिहे रहा। वइसेन ही कहूँ तोहार मन उ
एक निस्ठा भक्ति अउर पवित्तरता स, जउन मोका मसीह क
लिए रक्खई चाही भटकाई न दीन्ह जाई। 4काहेकि जब
कउनो तोहरे लगे आइके जे ईसू क बारे मँ जउन कहे रहा,
ओका छोड़ी क कउनो दूसरे ईसू क तोहका उपदेस देत ह
अउर जउन आतिमा तू ग्रहण किहे अहा, ओसे अलग
कउनो अउर आतिमा तू ग्रहण करत ह अउर छुटकारा क
जउने सँदेस क तू ग्रहण किहे अहा, ओसे अलग कउनो
दूसरे सँदेस क उ ग्रहण करत ह।

5तउ तू बहुत खुस होत अहा। पर मइँ अपने आपके
तोहरे "बड़ेन प्रेरितन" से बिलकुस छोट नाहीं मानत अहउँ।
6होइ सकत ह कि मोर बोलइ क सक्ती सीमित बा मुला
मोर गियान तउ असीम बा। इ बाते क हम सबहिं बाते मँ
तोहे स्पस्ट रूप से दरसाए हउँ।

7अउ फिन मइँ सेंतइ मेंतई मँ सुसमाचार क उपदेस दइके
तोहे ऊँचा उठावई बरे अपने आपके झुकावत भए, का
कउनउ पाप किहे अहइ? 8मइँ दूसरे कलीसियन स आपन
मेहनताना लइके ओनका लूटे हउँ ताकि मइँ तोहार सेवा
कइ सकउँ। 9अउर तब मइँ तोहरे साथे रहेउँ तब जरूरत
पड़े प मइँ कउनो प बोझ नाहीं डालेउँ काहेकि मैसीडोनिया
स आएन भाइयन मोर जरूरत क पूरा कइ दिहे रहेन। मइँ
हर बाते मँ अपने आपके तोहपे न बोझ बनई दिहे हउँ अउर
न बनई देब। 10अउर काहेकि मोहमाँ मसीह क सच निवास
करत ह। इही बरे अखाया क समूचे छेत्रन मँ मोका बढ़
चढ़ क बोलइ स केउ नाहीं रोक सकत ह। 11भला काहे?
का इही बरे कि मइँ तोहसे पिरेम नाहीं करत हउँ? परमेस्सर
जानत ह, मइँ तोहसे पिरेम करत हउँ।

12मुला जउन मइँ करत हउँ ओका तउ करतइ रहब,
ताकि ओन्हन कही गइ प्रेरितन क गरब क, जउन गरब
करइ क कउनउ अइसेन बहाना चाहत हीं। जेसे सबइ
ओनहीं कामे मँ हमरे बराबर समझा जाई सकइँ जेनपइ
ओनका गरब बा। मइँ ओनके उ गरब क खतम कइ
सकउँ। 13अइसे लोग नकली प्रेरित अहइँ। ऊ पचे छली
अहइँ, उ मसीह क प्रेरित होइ क ढोंग करत हीं। 14एहमँ
कउनउ अचरज नाहीं बा, काहेकि सइतान त परमेस्सर क
दूत क रूप धारण कइ लेत ह। 15इही बरे अगर ओकर
सेवकउ नेकी क सेवकन क स रूप धइ लेइ तउ एहमाँ
कउन बड़ी बात बा? मुला अन्त मँ ओनका आपन करनी क
अनुसार फल तउ मिलइ क बा।

"जेका ... जरा" यिर्म. 9:24

पौलुस की यातना

16मइँ फिन दोहरावत अहउँ कि मोका केउ मूरख न
समझइ। मुला अगर फिन स तू अइसेन समझत ह तउ
मोका मूरख बनाइके ही मंजूर करा। तब मोका स्वीकार कइ
ल्या अउ मोका कछू अधिकार द्या। ताकि मइँ कछू गरब
कइ सकउँ। 17अब इ मइँ कहत अहउँ, उ पर्भू क अनुसार
नाहीं कहत ह, बल्कि एक मूरख क रूप मँ गरबपूर्वक
बिसवास क साथे कहत हउँ। 18काहेकि बहुत लोगन अपने
संसारी जीवन पर गरब करत हीं। 19फिन तउ मइँ गरब
करब। अउर फिन तउ तू एँतना समझदार अहा कि मूर्खन
क बात खुसी क साथे सहि लेत ह। 20काहेकि अगर केउ
तोहका दास बनावइ, तोहका फँसाइ देत ह, धोखा देत ह
अपने क तोहसे बड़ा बनवइ अउर तोहरे मुँहे पर थप्पड़
मारई त तू ओका सहि लेत ह। 21मइँ सरम क साथे कहत
हउँ कि हम पचे बहुत कमजोर रहे। अगर कउनउ मनई
कउनो चीजन पे गरब करइ क साहस करत ह त ओइसन
साहस मइँ भी करब। मइँ मूर्खतापूर्वक कहत अही।
22इबरानी सबइ तउ नाहीं अहइँ। जदि उ पचे इस्राएली
अहइँ, तउ उ मइँ भी अहउँ, जदि उ सबइ इब्राहीम क
बंसज अहइँ, तउ उ मइँ भी हउँ। 23मइँ अहउँ। इस्राएली उ
सबइ तउ नाहीं अहइँ। मइँ ह भी। का उ पचे मसीह क
सेवक अहइँ? (एक सनकी की नाहीं मइँ इ कहत ह
अहउँ।) कि मइँ ओहसे बड़ा मसीह क सेवक अहउँ। मइँ
बार बार जेल गवा हउँ। मोका बार बार मारा गवा बा। कई
अवसरन पर मोका मऊत क सामना भवा बा। 24पाँच बार
मइँ यहूदियन स एक कम चालीस चालीस कोड़ा खाए हउँ।
25मइँ तीन तीन बार लाठियन स पीटा गवा हउँ। एक्क बार
तउ मोहे पर पत्थराऊँ कीन्ह गवा बा। तीन बार मोर जहाज
बूड़ा। एक दिन अउर एक रात मइँ समुंदर क गहिरे पानी मँ
बितावा। 26मइँ भयानक नदियन, खूँखार डकइतन, खुद
आपन लोगन, विधर्मियन, नगरन, गाँवन, समुद्रन अउर
देखआवटी बन्धुवन क खतरे क बीचवा मँ कइयऊ यात्रा
किहे हउँ। 27मइँ कड़ा मेहनत कइके थकावट से चूर होइके
जीव जिए हउँ। कई अवसरन पर मइँ सोइ तक नाहीं पाएउँ।
भूखा अउर पियासा रहेउँ। अकसर मोका खाई तक क नाहीं
मिला। बिना कपड़न क जाड़ा मँ ठिठूरत रहेउँ। 28अउर अब
अउर जियादा का कही? रोज मेरे ऊपर जिम्मेदारी का भार
अहइ अउर मोहे पइ सब कलीसियावन की चिन्ता बनी रहत
ह। 29कीहीऊ का कमजोरी मोका सक्तिहीन नाहीं कई देत
ह अउर केकर पापे मँ होब मोका बैचेन नाहीं बनाई डावत
ह। लेकिन मइँ अन्दर से दुखी होइ जात हउँ यदि कउनो
प्रलोभन मँ बहक जात ह।

30अगर मोका बढ़-चढ़ क बात करई क बा तउ मइँ
ओन्हन बातन क करब जउन हमरे कमजोरी क अहइँ।
31परमेस्सर अउर पर्भू ईसू क परमपिता जउन हमेसा धन्य
अहइँ, जानत हीं कि मइँ कबहुँ झूठ नाहीं बोलत हउँ।
32जब मइँ दमिस्क मँ रहेउँ तउ राजा अरितास क राज्यपाल
दमिस्क क चारों ओर पहरा बइठा दिहे रहा मोका बन्दी कई
लेइक जतन किहे रहा। 33मुला मोका नगर क चार दीवारी
क छेद से टोकरी मँ बइठाइ क नीचे उतार दीन्हा गवा
अउर मइँ ओकरे हाथ स बच निकलउँ।

पौलुस पर पर्भू क विसेस अनुग्रह

12 यदि घमण्ड करइ क होइ तउ मोरे बरे ठीक ना
होइ, तो भी करइ पड़त ह, तउ मइँ पर्भू क दीन्ह
भए दर्सन अउर पर्भू क प्रकासित चरचा करत अहउँ।
2मइँ मसीह मँ स्थित क अइसेन मनई क जानत हउँ
जेका चौदह साल पहिले (ओकरे सरीर मँ या सरीर क बाहर
मइँ नाहीं जानित ह परमेस्सर ही जानत ह।) देह सहित या
देह रहित तीसरे सरग मँ उठाई लीन्ह गवा रहा। 3-4अउर
मइँ जानित ह कि ऐह मनई क (मइँ बिना सरीर क या सरीर
सहित नाहीं जानित हउँ बस परमेस्सर ही जानत ह)
सरगलोक* मँ उठाई लीन्ह गवा रहा अउर ओ अकथनीय
सब्द सुनेस जेका बोलइक अनुमति मनइयन क नाहीं बा।
5हाँ, अइसेन मनइयन पर गरब करबइ, मुला खुद अपने घरे
पर अपने दुर्बलतन क छोड़ क गरब न करबइ। 6काहेकि इ
मइँ सरम करइ क सोची तउ मइँ मूरख न बनबइ काहेकि
तब मइँ सच कहबइ। होबइ! मुला तोहका मइँ अइसेन
बचाउब ताकि कउनो मोका जइसेन करत देखत ह या कहत
सुनत ह, ओसे भी जियादा स्रेय न देइ।
7असाधारण प्रकासित क कारण मोका कउनउ गरब न
होइ जाइ, इही बरे मोका सालत रहइ वाला काँटउ दइ दिहे
अहइ। जउन सइतान क दूत अहइ, मोका मारत रहत ह
ताकि मोका बहुत जियादा घमण्ड न होइ जाइ। 8काँटा क
अहइ समसिया क बारे मँ मइँ पर्भू स तीन बार बिनती
किहेउँ काहेकि उ इहइ काँटा क मोसे निकाल लेइ। 9मुला
उ मोसे कहि दिहे अहइ, “तोहरे बरे मोरे अनुग्रह परियाप्त
बा। काहेकि निर्बलता मँ मोर सक्ती सबसे जियादा होत ह।”
इही बरे मइँ अपने कमजोरी पे खुसी क साथे गरब करत
हउँ। ताकि मसीह क सक्ती मोहमाँ रहइ। 10इही तहर मसीह
बरे मइँ अपने कमजोरी, अपमानन, कठिनाइयन, जातनन,
अउ बाधा मँ आनन्द लेत हउँ काहेकि जब मइँ कमजोर
होत हउँ तबइ बलवान होत हउँ।

कुरिन्थियन क प्रति पौलुस क पिरेम

11मइँ मूरखन की तरह बतियात अहउँ मुला अइसा करइ
क बरे मोका मजबूर तू किहे अहा। तोहका तउ मोर प्रसंसा
करइ चाही, जद्यपि वइसे तउ मइँ कछू नाहीं हउँ, पर तोहरे
ओन्हन “बड़ेन प्रेरितन” स मइँ कीहीउ तरह छोट नाही हउँ।
12कीहीउँ क प्रेरित सिद्ध करइवाला अद्‌भुत चीन्हा, अचरज
कारज, अद्‌भुत कारज, अउर तोहरे बीच धीरज क साथे
परगट कीन्ह गवा अहइँ। 13तू दूसरे कलीसियन स कउँने
दीस्टी स कम अहा? सिवाय एकरे कि मइँ तोहपे कउनउ
तरह क कवहँ भार नाहीं बना हउँ? मोका एकरे बरे छमा
करा।
14देखा तोहरे लगे आवई क अब मइँ तीसरी बार तइयार
हउँ। पर मइँ तोहपे कउनउ तरह क बोझ न बनब। मोका

सरगलोक यानि सरगे क लोक, जहाँ धर्मी लोग मरई क बाद पहुँचत हीं।

तोहरे सम्पत्तिन क नाहीं तोहार चाहत अहइ। काहे कि
बच्चन क अपने मांई बाप क बरे कउनउ बचत करइ क
जरूरत नाहीं होत बल्कि अपने बच्चन क बरे माई बाप क
खुद बचत करइ क होत ह। **15**जहाँ तक मोर बात अहइ,
मोर लगे जउन कछू बा तोहरे बरे खुसी क साथे खर्चा
करबइ, इहाँ तक कि अपने आपऊ क तोहरे बरे खर्च कई
देबई। जदि मइँ तोहसे जियादा पिरेम रखित ह तउ भला तू
मोका कम पिरेम कइसे करब्या।

16होइ सकत ह कि मइँ तोहपे कउनउ बड़ा बोझ न डावा
होइ। मुला तोहर कहब बा मइँ कपटी रहेउँ मइँ तोहका
अपने चालाकी स फंसाइ लिहेउँ।

17का जउने लोगन क मइँ तोहरे लगे भेजे रहेउँ ओनके
जरिये तोहे छला ग रहा? नाहीं! **18**तीतुस अउर ओनके साथे
हमरे भाई क मइँ तोहरे लगे भेजे रहेउँ। का तीतुस तोहे
फँसाइ दिहेस? नाहीं का हम उहीं निस्कपट आतिमा स नाहीं
चलत रहेन? का हम उही चरनचिन्हन पर नाहीं चलत रहेन?

19अब तू का सोचत अहा कि एक लम्बा समइ स हम
तोहरे समन्वा आपन पछ रक्खत अही। मुला हम त परमेस्सर
क समन्वा मसीह क अनुयायी क रूप मँ बोलत अही। मोर
पियारे दोस्तो! हम जउन कछू करत अही उ तोहे आत्मिक
रूप स सक्तिसाली बनवइ क बरे बा। **20**काहेकि मोका भय
बाटई कि कहूँ जब मइँ तोहरे लगे आवउँ तउ तोहे वइसेन
न पावउँ, जइसेन पावई चाहित ह अउर तू भी मोका वइसेन
न पावा जइसेन पावई चाहत ह। मोका भय बा कि तोहरे
बीच मोका कहूँ आपसइ मँ झगड़ा, इरसा, गुस्सापूर्वक
कहासुनी व्यक्तिगत, षड़यन्त्र, अपमान, कानाफूसी हेकड़पन
अउर अव्यवस्था न मिलइ। **21**मोका डर बा कि जब मइँ
फिन तोहसे मिलइ आवउँ तउ तोहरे सामने मोर परमेस्सर
कहूँ मोका लज्जित न कइ देइ, अउर मोका ओन्हन बहुतन
बरे बिलाप न करइ क पड़इ। जे पहिले पाप किहे बाटेन
अउर अपवित्तरन, व्यभिचरियन अउर भोग बिलास मँ डूबा
रहइ क बरे मनफिराव नाहीं किहे बाटेन।

अन्तिम चेतावनी अउर नमस्कार

13 इ तीसर अउसर अहइ जब मइँ तोहरे लगे आवत
हउँ सास्तरन कहत हीं: "सब बातन क पुस्टि, दूई
या तीन गवाहन क साच्छी पर कीन्ह जाइ।"* **2**जब दूसरी
बार मइँ तोहरे साथे रहेउँ मइँ तोहका चेतावनी दिहे रहेउँ
अउर अब जब मइँ तोहसे दूर हउँ मइँ तोहका फिन स
चेतावनी देत हउँ कि अगर मइँ फिन तोहरे लगे आवउँ त
जे जे पाप किहे बाटेन अउर जउन पाप करत अहइँ ओनका
अउर शेस दूसरे लोगन क न छोड़बा। **3**अइसेन मइँ एँह बरे
करत हउँ कि तू इ बाते क प्रमाण चाहत अहा कि मोहमाँ
मसीह बोलत ह। उ तोहरे बरे कमजोर नाहीं बा बल्कि।"
समरथ बा। **4**इ सच बा कि ओका ओकरे कमजोरी क
कारण क्रूस पर चढ़ावा गवा रहा। मुला अब उ परमेस्सर क
सक्ती क करण ही जिअत अहइ। इह सच बा कि मसीह मँ
स्थित हम कमजोर अही मुला तोहरे लाभ बरे परमेस्सर क
सक्ती क कारण हम ओकरे साथे जियब।

5इ देखई बरे अपने आप क परखई क बा तू
बिसवासपूर्वक जिअत अहा। आपन जाँच पड़ताल करा अउर
का तू नाहीं जानत ह कि उ ईसू मसीह तोहरे भित्तरइ बा।
जदि अइसना नाहींबा, तउ त इ परीच्छा मँ पूरा न उतरब्या।
6मइँ अब आसा करत हउँ कि तू इ जानि जा कि हम इ
परीच्छा मँ कउनउ तरह स विफल नाहीं भए।

7हम परमेस्सर से पराथना करित ह कि तू कउनउ बुराइ
न करा। एह बरे नाहीं कि हम इ परीच्छा मँ खरा देखाई
देइ। बल्कि एह बरे कि तू फिन उहइ करा जउन अच्छा
बा। चाहे हम इ परीच्छा मँ विफल भए काहे न देखाइँ देइ।

8असलियत मँ हम सत्य क विरुद्ध कछू नाहीं कइ
सकित ह। हम जउन करित ह सच क बरे करित ह।
9हमार कमजोरी अउर हमार सबलता मोका खुश करत ह
अउर हम इही बरे पराथना करित ह की तू मजबूत स
मजबूत बना

10इही बरे तोहसे दूर रहत मइँ इन बातन क तोहका
लिखत हउँ। ताकि जब मइँ तोहरे बीच होउँ तउ मोका पर्भू
क जरिये दीन्ह गवा अधिकार स तोहका हानि पहुँचई बरे
नाहीं बल्कि तोहरे आत्मिक बिकास बरे तोहरे साथे कठोरता
न बरतइ पड़इ।

11अब भाइयन, मइँ तोहसे विदा लेत अहउँ। आपन
आचरण ठीक रखा। वइसेह करत रहा जइसेन करइ क मइँ
कहे रहेउँ। एक जइसेन सोचा। सान्तिपूर्वक रहा। जेसे पिरेम
अउर सान्ति क स्त्रोत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

12पवित्तर चुम्बन दुवारा एक दूसरे क सुवागत करा।
13सबन पवित्तर लोगन क तोहे नमस्कार।

14तू पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह, परमेस्सर क पिरेम अउर
पवित्तर आतिमा स मिलइ वाला भाई-चारा रहइ।

"सब … जाइ" व्यवस्था. 19:15